

करंट क्राइम

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

सिर्फ सच...

● नई दिल्ली। शनिवार 19 अप्रैल-2025

● वर्ष : 10 अंक : 119 पेज-08

● RNI NO. DELHIN/2015/65364

● मूल्य : ₹3



बार सचिव पद पर 66 मतों से विजयी हुए अमित नेहरा

हरेंद्र गौतम के पक्ष में पड़े 965 वोट

गाजियाबाद, करंट क्राइम : शुक्रवार को बार एसोसिएशन गाजियाबाद में सचिव पद के लिए पुनः मतदान हुआ। इस मतदान में अमित नेहरा और हरेंद्र गौतम के बीच करीबी मुकाबला देखने को मिला।

जिसमें बार एसोसिएशन सचिव पद पर 66 मतों से अमित नेहरा ने विजय हासिल की। तो वहीं हरेंद्र गौतम के पक्ष में कुल 965 वोट पड़े हैं। चुनाव अधिकारी राम अवतार गुप्ता ने जानकारी दी है कि शुक्रवार को बार सचिव पद के लिए हुए पुनः मतदान में कुल 2014 अधिवक्ताओं ने मतदान किया। जिसमें 14 वोट इनवैलिड हो गए थे।

अमित नेहरा के विजई होने पर अधिवक्ताओं ने उन्हें बधाई दी और मुंह मीठा करा कर स्वागत किया। तो खुद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक शर्मा अपने साथियों के साथ बार सभागार पहुंचे व विजयी सचिव

अधिवक्ताओं ने विजयी होने पर दी बधाई



कुल 2014 अधिवक्ताओं ने किया था मताधिकार का प्रयोग

करंट क्राइम : चुनाव अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राम अवतार गुप्ता ने जानकारी दी है कि बार सचिव पद के लिए कुल 2014 वोट डाले गए। जिसमें से 14 वोट इनवैलिड पाए गए। तो वहीं कुल 2010 मतपत्र बरामद किए गए थे। जिनकी गिनती के बाद रात करीब 8 बजे से पहले ही बार सचिव पद पर विजयी हुए अमित नेहरा को 66 मतों से विजयी घोषित किया गया।



को सर्टिफिकेट दिया।

बार चुनाव के मद्देनजर सुबह से

ही कचहरी परिसर में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। इस

दौरान शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न कराया गया।

दिनभर पुलिस बल रहा तैनात



करंट क्राइम : शुक्रवार को गाजियाबाद बार एसोसिएशन में

लोकल इटैलीजेंस भी नजर रखने का काम कर रही थी।

सचिव पद के लिए पुनः मतदान हुआ। पुनः मतदान को लेकर सुबह से ही कचहरी परिसर में भारी संख्या में कवि नगर थाना से पुलिस कोर्स यहां तैनात किया गया था। साथ ही लोकल इटैलीजेंस भी नजर रखने का काम कर रही थी। वहीं वरिष्ठ अधिकारी भी नजर रखे हुए थे।

राकेश टिकैत समेत 25 लोगों पर सोनिया वाटर रेगुलेटर प्लांट बलवे में चार्जफ्रेम, 30 अप्रैल को पुलिस पेश करेगी साक्ष्य

विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहा है पुराना मामला

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गाजियाबाद की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने एक पुराने मामले में किसान नेता राकेश टिकैत सहित 25 लोगों पर चार्ज फ्रेम किया गया है। इस मामले में एक वर्तमान विधायक, एक पूर्व मंत्री और तीन पूर्व विधायक शामिल हैं। इस मामले में अगली तारीख 30 अप्रैल को लगी है। जिसमें गाजियाबाद पुलिस इस पूरे मामले के सबूत पेश करेगी। बता दें कि वर्ष 2014 में राष्ट्रीय



लोकदल के ताल्कालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत सिंह के दिल्ली स्थित आवास खाल करवाए जाने के बाद विरोध में किसानों, राष्ट्रीय लोकदल के नेताओं व पदाधिकारियों और भारतीय किसान यूनियन के नेताओं ने मुरादनगर में सोनिया वाटर रेगुलेटर प्लांट पर प्रदर्शन किया था। इस दौरान

आरोप है कि इन लोगों ने पुलिस पर हमला किया। बलवा हुआ और कई पुलिसकर्मी सहित नेता घायल हुए थे। इस मामले की सुनवाई में शुक्रवार को किसान नेता राकेश टिकैत सहित 25 लोगों पर चार्ज फ्रेम किया गया है। तो वहीं अगली तारीख 30 अप्रैल तय की गई है।

30 अप्रैल को फिर होगी सुनवाई

करंट क्राइम : इस पूरे मामले में आरोपियों के वकील चौधरी अजय वीर सिंह के अनुसार प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और उन्होंने पर मुकदमा दर्ज किया गया। जिसमें कई नेता घायल भी हुए थे। उन्होंने जानकारी दी है कि पुलिस के पास कोई ठोस सबूत नहीं है। तो वहीं इस मामले में कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 30 अप्रैल तय की है। इस दिन पुलिस को अदालत के सामने सभी साक्ष्य पेश करने होंगे, फिर आगे की कार्रवाई होगी।

विधायक योगेश धामा से लेकर पूर्व मंत्री

दलबीर सिंह का है आरोपियों में नाम

करंट क्राइम : आरोपियों के वकील चौधरी अजय वीर के अनुसार पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए राष्ट्रीय लोकदल और किसान नेताओं के साथ ही किसानों पर मुकदमा दर्ज किया था। जिसमें वर्तमान विधायक योगेश धामा, पूर्व मंत्री दलबीर सिंह, पूर्व विधायक सुदेश शर्मा, वीरपाल लाठी, भगवती प्रसाद और वर्तमान चेयरमैन अमरपाल सिंह बिष्टी का नाम शामिल है। हालांकि बलाव पक्ष के वकील का कहना है कि पुलिस के पास कोई ठोस सबूत नहीं है। कोर्ट में अगली सुनवाई 30 अप्रैल को होगी। जिसमें पुलिस को इन आरोपियों के खिलाफ साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे।

मुर्शिदाबाद हिंसा के विरोध में

करणी सेना ने लखनऊ में सीएम ममता का पुतला फूँका

लखनऊ। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुई हिंसक घटनाओं के विरोध में करणी सेना ने लखनऊ में जोरदार प्रदर्शन किया। संगठन के



कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज क्षेत्र में एकत्रित होकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उनका पुतला फूँका। इस प्रदर्शन ने मुर्शिदाबाद की घटना को लेकर देशभर में व्याप्त आक्रोश को और भी मुखर कर दिया। करणी सेना के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि मुर्शिदाबाद में हिंदू समुदाय के लोगों पर हमले किए गए और उनकी संपत्तियों को नुकसान

पहुँचाया गया। उनका दावा है कि राज्य सरकार ने इन घटनाओं पर उचित कार्रवाई नहीं की, जिसके कारण अपराधियों के हाथों बलुंदा हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने पश्चिम बंगाल सरकार पर सांप्रदायिक हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की।

हजरतगंज में करणी सेना के प्रदर्शन के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर और झंडे लेकर ममता बनर्जी और पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ नारे लगाए। उन्होंने राज्य सरकार पर तृष्णकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और केन्द्र सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की।

पुलिस कमिश्नर जे रविंद्र गौड़ ने छुट्टी के दिन भी की जनसुनवाई

सबसे पहले पहुंचे दफ्तर, किया निरीक्षण और शाम को ली काइम मीटिंग



- रविवार को छोड़ प्रतिदिन सुबह 10 से 12 बजे तक करेंगे जनसुनवाई

- पुलिस ऑफिस का किया निरीक्षण, तो यूपी-112 में भी पहुंचे

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गाजियाबाद के नए पुलिस कमिश्नर जे रविंद्र गौड़ शुक्रवार को गुड फ्राइडे का अवकाश होने के बावजूद भी पुलिस ऑफिस स्थित अपने नए कार्यालय में



पहुँचे और वह सुबह समय से पहले पहुंचे। यहाँ पहुंचने के बाद उन्होंने पुलिस ऑफिस के कई भवनों और कक्षाओं का निरीक्षण किया।

इसके बाद जनसुनवाई की और फिर पुलिस लाइन स्थित यूपी-112 के कार्यालय पहुंचकर वहां का निरीक्षण किया। वहां से लौट के बाद उन्हें जनसुनवाई में बैठे और फरियादियों की समस्या सुन अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं पुलिस कमिश्नर ने दैनिक करंट क्राइम से बात करते हुए बताया है कि वह प्रतिदिन सुबह 10 बजे से लेकर 12 बजे तक जनसुनवाई के लिए अपने पुलिस ऑफिस स्थित कार्यालय में पहुंचेंगे। वह रविवार के सिवा अन्य दिन जनसुनवाई अवश्य करेंगे। साथ ही उन्होंने पुलिस कमिश्नर गाजियाबाद में चार्ज लेने के दूसरे ही दिन पुलिस कमिश्नर के सभी गजेटेड अधिकारियों के साथ ही थाना प्रभारियों को बुलाकर क्राइम मीटिंग भी की है और उन्हें आने वाले दिनों में किस प्रकार से काम करना है, इसके दिशा-निर्देश दिए गए हैं। साथ ही गंभीर अपराध के मामलों में पुलिस को प्राथमिकता के आधार पर कार्य करना है, यह भी उनके द्वारा स्पष्ट निर्देशित किया गया है।

पहले किया पुलिस ऑफिस का निरीक्षण, फिर पहुंचे यूपी-112

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर आईपीएस अधिकारी जे रविंद्र गौड़ सुबह 10 बजे से पहले ही अपने कार्यालय पहुंच गए थे। उन्होंने वहां सबसे पहले ग्राउंड फ्लोर पर बने अलग-अलग कार्यालयों का निरीक्षण किया। तो प्रथम तल पर बनी कोर्ट से लेकर मॉनिटरिंग सेल सहित अन्य सेल व भावनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ एडिशनल सीपी कल्पना सक्सेना, एसीपी कार्यालय, रिजर्व पुलिस लाइन प्रभारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सभी पुलिसकर्मियों को मर्यादित भाषा का प्रयोग करने का आदेश

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया है कि थाना प्रभारियों से लेकर चौकी प्रभारी, बौट पर काम करने वाले पुलिसकर्मियों से लेकर अन्य वर्किंग स्टाफ को फरियादियों से लेकर अन्य लोगों से मर्यादित भाषा करने का निर्देश दिया है। कहा गया है कोई भी तू, तुम आदि शब्द का इस्तेमाल न करें। पुलिसकर्मियों को अपनी भाषा शैली सुधारने का भी निर्देश दिया गया है।

शिकायती पत्रों पर हो काम

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर ने क्राइम मीटिंग के दौरान अधीनस्थों को निर्देश दिया है कि जनसुनवाई बेहतर बनाई जाए। इसके साथ ही थानों पर आने वाले शिकायती पत्रों पर काम हो। साथ ही एसीपी स्तर से लेकर डीसीपी भी समय-समय पर इन शिकायती पत्रों की जांच करें और देखें की इन शिकायतों का निस्तारण कितना और किस स्तर तक किया गया है।

राकेश टिकैत बोले, अब देश में नहीं होगा कोई किसान आंदोलन

देश में बड़ी संख्या में बन रहे किसान संगठनों से हो रहा है किसानों का नुकसान, केन्द्र सरकार किसान संयुक्त मोर्चा से नहीं करती बात



गौरव शशि नारायण

गाजियाबाद, करंट क्राइम : भारतीय किसान यूनियन और किसान संयुक्त मोर्चा के प्रमुख फेस राकेश टिकैत शुक्रवार को गाजियाबाद कोर्ट पहुंचे। वह यहां पुराने मामले की सुनवाई में आए थे। इसके बाद निकलते हुए उन्होंने दैनिक करंट क्राइम से खास बातचीत की। जिसमें किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि अब देश में कोई भी बड़ा किसान आंदोलन नहीं होगा, क्योंकि केन्द्र सरकार किसान संयुक्त मोर्चा से बात नहीं करती है। देशभर में प्रत्येक राज्य और

बड़े शहरों में अलग-अलग किसान संगठन बनाए जा रहे हैं। किसान संगठन अधिक बनने से किसानों का ही नुकसान हो रहा है। साथ ही उन्होंने कहा है कि गन्ना किसानों और पशुधारी उत्तर प्रदेश के किसानों का भी भला नहीं हो रहा है। उनसे जब बोते दिनों वक्फ बोर्ड के केन्द्र सरकार के फैसले और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने वक्फ और हिंदू-मुस्लिम पर बोलने के लिए खुद को बैन करते हुए मौन कर लिया है। साथ ही किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि वक्फ और हिंदू-मुस्लिम का मुद्दा ही ब्लैक लिस्टेड कर दिया जाना चाहिए। राकेश टिकैत ने केन्द्र सरकार पर भी आरोप लगाते हुए कहा है कि वह किसानों का भला नहीं सोच रही है और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेकर देश के कई राज्यों के किसान इन दिनों बेहद परेशान हैं। शुक्रवार को राकेश टिकैत गाजियाबाद आए हुए थे, जहां उन्होंने दैनिक करंट क्राइम के वरिष्ठ संवाददाता से विस्तार से बातचीत की। प्रस्तुत है बातचीत के प्रमुख अंश।

टिकैत बोले हम हिंदू-मुस्लिम और वक्फ की नहीं फसलकारियों की बात करेंगे

सवाल : देश में इन दिनों किस प्रकार का माहौल चल रहा है और प्रमुख मुद्दे क्या रह गए हैं ?

□ वर्तमान समय में देश में माहौल केवल हिंदू और मुस्लिम का बना हुआ है। किसानों के और आम आदमी के मुद्दे गायब हो चुके हैं। पार्टी कोई भी हो वह हिंदू-मुस्लिम में फंसी हुई है और जनता को उसी में उलझाया हुआ है। जिस वजह से प्रमुख विषयों और किसानों की समस्याओं पर चर्चा ही नहीं हो रही है।

सवाल : बीते दिनों वक्फ पर बिल पास हुआ और फिर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इस पर क्या कहेंगे ? □ मैंने इन दिनों वक्फ और हिंदू-मुस्लिम के मामले पर बोलने के लिए खुद पर बैन लगा रखा है। साथ ही इस विषय को तो ब्लैकलिस्टेड कर देना चाहिए, इस पर किसी की राय लेना और देना ठीक नहीं है। यह पूरी तरीके से देश और राजनीति का मामला है, इस पर मुझे कुछ नहीं कहना है।

सवाल : आप पश्चिम उत्तर प्रदेश से जुड़े हैं। बीते

दिनों एक विधायक और सरकारी तंत्र का बड़ा विवाद हुआ, उसपर क्या कहना है ?

□ इस मामले में मेरा या किसानों का कोई मतलब नहीं है। यह सरकार और अधिकारियों का मामला था, जो अब निपट गया है। इसलिए इस पर मेरी राय उचित नहीं रहेगी।

सवाल : टिकैत जी देशभर में किसानों के अलग-अलग संगठन बन रहे हैं, इसको कैसे देखते हैं आप ?

□ देखिए ज्यादा किसान संगठन बनने से किसानों का ही नुकसान हो रहा है। लोग आपस में बंट रहे हैं। अलग-अलग संगठनों के अलग-अलग स्थानीय मुद्दे होते हैं और उसमें वह भटक जाते हैं। मेरा मानना है कि देशभर में किसानों के अलग-अलग संगठन बनने से फायदा

कम और नुकसान ज्यादा हो रहा है। सवाल : संयुक्त किसान मोर्चा ने जिस तरीके से बड़ा आंदोलन किया था, क्या फिर कोई तैयारी है ?

□ देखिए अब देश में कोई भी बड़ा किसान आंदोलन नहीं होगा। सरकार नहीं चाहती कि किसी प्रकार से बातचीत हो। साथ ही किसान संगठन भी अपने-अपने विषय में भटक हुए हैं। रही गन्ना किसानों की बात तो किसान गन्ना उगा चुका है, काट रहा है और आगे की तैयारी कर रहा है।

सवाल : क्या आपको लगता है किसानों का एमएसपी वाला मुद्दा पुराना होगा और यह कैसा चल रहा है ? □ देखिए एमएसपी वाला मुद्दा

सरकार ने ही कमजोर किया है। संयुक्त किसान मोर्चा ने प्रमुखता के साथ इसकी लड़ाई लड़ी थी। सरकार को बड़ा आंदोलन करके दिखाया था लेकिन सरकार अब फसलवादियों को आंदोलनवादी बनने पर मजबूर करती है, पर जिस तरीके के हालात इन दिनों देश में बने हुए हैं, मुद्दों से भटकाकर अन्य विषयों में उलझाया जा रहा है। उसे देखकर नहीं लगता कि सरकार को फसलवादियों की चिंता है।

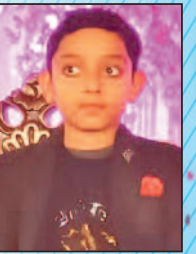
सवाल : किसानों ने अब तक लंबी लड़ाई लड़ी है। क्या लग रहा है किनी सफलता मिलेगी ? □ किसानों ने लड़ाई लंबी लड़ी है। यह भी सच बात है, आगे भी लड़ाई लड़ेंगे। पर जिस तरीके से सरकार का रवैया और प्लान है वह समझ नहीं आता कि किसानों के हक की बात उनकी परेशानी और मजबूरी को समझने का काम होगा भी या नहीं। इसलिए भविष्य में क्या होता है और क्या नहीं अभी कहना बहुत ही मुश्किल नजर आ रहा है।

19 04 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

				
मुकेश अंबानी (उद्योगपति)	गौरी	नित्या	भव्या मिश्रा	अक्षय तोमर
				
प्रियंका	रोबिन सांगवान	अनमोल शर्मा	मोहित गोयल	अरुण शर्मा
				
ललित मित्तल	प्रमोद त्यागी	संजय कौशिक	कुलदीप तेवतिया	राहुल गिरी गोस्वामी
				
नितिन त्यागी	अभिषेक पंडित	राज सिंह	राहुल ठाकुर	

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।

Email : currentcrimenews@gmail.com

कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी दिखाई दी और अनेक प्रश्न भी पूछे, जिनका समाधान महिला थाना प्रभारी ने सरल एवं संवेदनशीलता से किया। इस सफल आयोजन के लिए स्कूल प्रबंधन ने पिंक पुलिस यूनिट का विशेष धन्यवाद किया।

